भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार मेट्रो विस्तार की योजना बनाये- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जयपुर मेट्रो की प्रगति बैठक में सभी प्रमुख मार्गों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने के निर्देश दिये

जयपुर, 9 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जयपुर मेट्रो फेज-2 जयपुर शहर के समग्र विकास का ग्रोथ इंजन सिद्ध होगा। उन्होंने केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा इस फेज की मंजूरी दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे शहर के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र सीतापुरा एवं वीकेआई को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और आमजन को सुगम परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर मेट्रो रेल परियोजना की प्रगति एवं विस्तार को लेकर बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने प्रहलादपुरा से टोडी मार्ग तक विकसित होने वाले इस फेज को केन्द्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के आधार पर चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित करने तथा इसके पहले पैकेज (प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक) के वर्क ऑर्डर शीघ्र जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने फेज-2 के अन्तर्गत, डिपो निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने तथा पार्किंग सुविधाओं के समुचित विकास के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेट्रो परियोजनाओं का निर्धारित समय-सीमा एवं नियंत्रित लागत के साथ विकास आवश्यक है। उन्होंने फेज-1सी (बड़ी चौपड़-ट्रांसपोर्ट नगर) एवं फेज-1डी (मानसरोवर-अजमेर रोड चौराहा) की परियोजनाओं को गति देने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जयपुर मेट्रो रेल परियोजना की प्रगति को लेकर अधिकारियों की बैठक ली।

- मेट्रो विस्तार से पहले पैकेज में प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गौशाला तक के वर्क ऑर्डर शीघ्र जारी होंगे।
- मुख्यमंत्री ने आमेर, जगतपुरा, आगरा रोड़ व हीरापुरा तक मेट्रो विस्तार के मास्टर प्लान पर प्रस्तुतिकरण देखा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने जनसंख्या घनत्व एवं ट्रैफिक के दबाव को ध्यान में रखते हुए भविष्य में दिल्ली रोड एवं सीकर रोड सहित, अन्य मार्गों की दिशा में मेट्रो विस्तार की योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि जयपुर के प्रमुख मार्गों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ा जाए।

बैठक में बजट वर्ष 2025-26 की अनुपालना एवं मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, आमेर, जगतपुरा, बगराना (आगरा रोड) एवं हीरापुरा तक मेट्रो विस्तार के मास्टर प्लान का प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने जेडीए एवं जयपुर मेट्रो को बेहतर समन्वय के साथ कार्य करते हुए बहुद्देशीय एलिवेटेड रोड परियोजना के संबंध में निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित, मुख्यमंत्री कार्यालय, नगरीय विकास विभाग, जयपुर मेट्रो कॉर्पोरेशन तथा जेडीए के शीर्ष अधिकारी एवं जयपुर जिला कलक्टर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

युद्ध में अपनी बिचौलिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करेगा। सीज़फायर पाकिस्तान द्वारा "मध्यस्थता" के तहत हुआ है और पाकिस्तान ने दोनों पक्षों के बीच मुद्दों को सुलझाने के लिए परामर्श की पेशकश की। हालांकि, कमज़ोर सीजफायर अब और भी कमजोर दिखने लगा है।

सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है होर्मुज़ स्ट्रेट को तुरंत खोलने का, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग अभी भी अव्यवस्थित है। ईरान ने चेतावनी दी है कि केवल वे जहाज, जिनकी मंजूरी ईरानी अधिकारियों ने दी है, सुरक्षित रूप से होर्मुज़ पार कर सकते हैं। यूके ने यहां मुक्त पारगमन की मांग की है, जबकि ईरान पहले ही इसके लिए कुछ शुल्क की बात कर रहा है। सीज़फायर को बनाए रखने में एक और बड़ी बाधा यह है कि क्या यह लेबनान और हिज़्बुल्लाह के ऑपरेशनों को कवर करता है या ये वर्तमान सीजफायर के दायरे से बाहर हैं।

पाकिस्तान ने पहले ही अपने दायरे से बाहर जाकर यह कहा कि लेबनान सीज़फायर समझौते का हिस्सा है, जबकि ट्रंप ने इज़रायल के लेबनान ऑपरेशन को सीज़फायर समझौते के बाहर रखा। एक और बड़ी समस्या यह है कि क्या ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को जारी रख सकता है। अमेरिका और इज़रायल इस बात पर जोर दे रहे हैं कि ईरान का अपना यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम छोड़ना इस पूरी प्रक्रिया का मूल है।

- ये तो स्थायी शांति होने के आसार नहीं हैं।

ईरान इस दावे को पूरी तरह खारिज करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति का कहना है कि ईरान द्वारा परमाणु कार्यक्रम को छोड़े बिना और संवर्धित यूरेनियम को सौंपे बिना किसी समझौते पर नहीं पहुंचा जा सकता।

अमेरिका का दावा है कि ईरान के पास लगभग 800 पाउंड संवर्धित यूरेनियम है, जो हथियार बनाने योग्य है। ईरान का कहना है कि उसका संवर्धन कार्यक्रम केवल नागरिक उद्देश्यों जैसे परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए है। हालांकि, ऊर्जा संयंत्रों को केवल 3.45 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम चाहिए, जबकि ईरान का स्टॉक 65 प्रतिशत या उससे अधिक संवर्धित है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जोर देकर कहते हैं कि ईरान के वर्तमान 10-बिंदु मांग चार्टर पर कोई बातचीत नहीं हो सकती। ईरान कहता है कि 10-बिंदु कार्यक्रम को स्वीकार किए बिना कोई बातचीत नहीं हो सकती। इस प्रकार, दोनों पक्ष उम्मीद कर रहे हैं कि यह कमजोर शांति मजबूत शांति में बदल जाए और जंग बंद हो। लेकिन इज़रायल ने लेबनान की राजधानी बेरूत में इतना भारी बमबारी की कि मृतकों की संख्या असाधारण रूप से बढ़ गई। ईरान ने भी अपने क्षेत्रीय पड़ोसियों पर कुछ मिसाइलें और ड्रोन दागे, सीज़फायर समझौते की परवाह किए बिना।

'ट्रंप ने दबाव डाला था ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसने पूरे संघर्ष के दौरान अपनी तटस्थता पर जोर दिया हो।

मंगलवार को ट्रम्प की समयसीमा नजदीक आने पर, पाकिस्तान के फील्ड मार्शल ने ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ़ सहित, शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों को कई कॉल किये। इसके बाद उन्होंने ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची से दो सप्ताह के प्रस्ताव के बारे में बात की, जिसे जल्दी ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ द्वारा सार्वजनिक कर दिया गया। लेकिन परदे के पीछे, "न्यूयॉर्क टाइम्स" की रिपोर्ट के अनुसार, वाइट हाउस ने इस बयान को पहले ही देख लिया था और शहबाज़ शरीफ द्वारा इसे पोस्ट करने से पहले मंज़ूरी दे दी थी।

लेकिन शरीफ, जिन्होंने इस सौदे को पाकिस्तान की पहल के रूप में पेश किया, अपने पोस्ट के शीर्ष पर लिया विषय (सब्जैक्ट) "ड्राफ्ट - पाकिस्तान के पीएम का संदेश एक्स" हटाना भूल गए। कुछ समय बाद, जब ट्रम्प ने होर्मुज़ जलसंधि खोलने के लिए अपना पहला अल्टीमेटम दे दिया, इस बीच मुनीर और अन्य वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी, ईरानी राजनीतिक और सैन्य नेताओं और वाइट हाउस के बीच संदेश पहुँचाने में व्यस्त थे। रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने इस्लामाबाद को शांति शिखर सम्मेलन के स्थल के रूप में प्रस्तुत किया, अमेरिका द्वारा ड्राफ्ट किए गए प्रस्ताव के 15-बिंदु साझा किए और 45 दिन से लेकर दो सप्ताह तक के युद्धविराम के विकल्प पेश किए। ईरान ने इसके जवाब में अपने पांच और दस-बिंदु वाला प्रस्ताव भेजा।

दोनों पक्षों की मांगों में काफी दूरी थी लेकिन समय के साथ ईरान कथित रूप से, अपने यूरेनियम के भंडार पर सीमाएं स्वीकार करने और उन्हें कम करने के विचार के प्रति सहमत हो गया।

वार्ता से परिचित लोगों के अनुसार, अराघची और तेहरान के अन्य राजनीतिक नेताओं ने कई दिन पहले ही अस्थायी होर्मुज़ युद्धविराम पर सैद्धांतिक सहमति दे दी थी। लेकिन उन्हें इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आई आर जी सी), जो ईरान की प्रमुख सैन्य और राजनीतिक शक्ति है, से अंतिम मंजूरी लेने में कठिनाई हो रही थी। सप्ताहों की भारी अमेरिकी और इज़राइली बमबारी के बाद, युद्ध विराम को लेकर आई आर जी सी विभाजित था। सूत्रों ने कहा कि ईरानी बलों के कुछ तत्व युद्ध समाप्त करने, होर्मुज़ पर नियंत्रण ढीला करने और अमेरिकियों के साथ वार्ता फिर से शुरू करने के विरोध में थे। इसके बाद मंगलवार को एक ईरानी ड्रोन हमले ने सऊदी पेट्रोकेमिकल केन्द्र जुबैल को निशाना बनाया, जिसे एक पाकिस्तानी अधिकारी ने "वार्ता को विफल करने का आख़िरी प्रयास बताया।" इस्लामाबाद, जिसका सऊदी अरब के साथ एक पारस्परिक रक्षा समझौता है, ने इस पर आक्रोशपूर्व प्रतिक्रिया दी, और तेहरान को संकेत दिया कि ये हमले शांति प्रयासों को नष्ट कर सकते हैं और ईरान को अलग-थलग कर सकते हैं।

अब तक, पाकिस्तान, जिस पर ईरान ने हमला नहीं किया है, ने संघर्ष के दौरान तटस्थ रहने की कोशिश की, जबकि सऊदी अरब पर कई बार मिसाइल और ड्रोन हमले हुए।

इसके बाद, ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने बुधवार दोपहर को शरीफ के साथ हुए फोन-कॉल में, वार्ता के लिए प्रतिनिधि इस्लामाबाद भेजने पर सहमति दी।

शुक्रवार को नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभावना है। शाम को भाजपा ने बिहार से सम्बन्धित एक विशेष बैठक निर्धारित की है, जिसमें नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम निर्णय होने की संभावना है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और राज्य मंत्री नित्यानंद राय को शीर्ष उम्मीदवार माना जा रहा है।

11 फरवरी को नीतीश पटना लौटेंगे और आगे दो दिनों तक वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इसका कारण यह है कि हिन्दू 'खरमास' 13 अप्रैल को समाप्त हो रहा है। भाजपा नेता चाहते हैं कि नये मुख्यमंत्री 14 अप्रैल को शपथ लें। संभावना है कि कुमार 13 अप्रैल को एनडीए विधायक दल की बैठक के बाद अपने पद से इस्तीफा देंगे। यह एक विडंबना ही है कि कुमार को खरमास अवधि के दौरान ही राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेनी पड़ रही है।

कुमार, जो कद्दावर समाजवादी नेताओं में अंतिम नेता हैं, ने अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण का अन्त अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण तरीके से किया है। उन्होंने भी अपने पूर्ववर्तियों का उदाहरण अपनाया और सत्ता को भाजपा के साथ चलाया और अन्त में उसी को सौंप दिया।

जॉर्ज फर्नांडीस ने अपनी समता पार्टी का भाजपा के साथ तालमेल रखा और वाजपेयी सरकार में रक्षा मंत्री बने। राम विलास पासवान, शरद यादव और खुद कुमार भी भाजपा सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहे। हाल ही में, उपेन्द्र कुशवाहा जैसे लोग भी भाजपा के साथ तालमेल बैठा चुके हैं।

कांग्रेस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करीब आयोजित किया जा रहा है।

कांग्रेस ने भाजपा द्वारा मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन किये जाने का मुद्दा भी उठाया है, क्योंकि इस प्रकार से भाजपा चुनाव में महिला मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है, भले ही विधेयक पास न हो।

लेकिन भाजपा अपने नाटकीय प्रदर्शन और ड्रामेबाज़ी के लिए जानी जाती है और विपक्ष, विशेष रूप से कांग्रेस, ममता बनर्जी और तमिलनाडु में स्टालिन पर हमले का कोई अवसर नहीं चूकती।भाजपा के लिए सब कुछ चुनाव केन्द्रित है और यह देखना होगा कि वे चुनाव जीतने के लिए कितनी दूर तक जा सकते हैं।

क्या राघव चड्ढा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साथ ही, राजनीतिक हलकों में वैकल्पिक परिदृश्यों पर चर्चा हो रही है, जैसे जिनमें पार्टी में पुनः मेलजोल से लेकर अन्य राजनीतिक मंच पर जाने जैसी चर्चाएं शामिल हैं। फिलहाल, ये सभी केवल अटकलें हैं।

स्पष्ट यह है कि चड्ढा की राजनीतिक यात्रा एक मोड़ पर है। उनके हाल के संकेत-सूक्ष्म लेकिन जानबूझकर दिए गए हैं, ने यह सुनिश्चित किया है कि वे चर्चाओं का हिस्सा बने रहें, भले ही पार्टी में उनका औपचारिक पद कमजोर दिख रहा हो। यह पल एक बड़े राजनीतिक कदम में बदलता है या आप के भीतर पुनर्संयोजन तक सीमित रहता है, यह आने वाले महीनों में पार्टी के भीतरी समीकरणों पर निर्भर करेगा। तब तक, चड्ढा का दिलचस्प विचार राजनीतिक पर्यवेक्षकों की जिज्ञासा बनाए रखेगा।

'होर्मुज़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा है कि सरकार देश में एलपीजी संकट से लड़ने की कोशिशें कर रही है। फिलहाल तो देश में एलपीजी गैस सिलेंडर्स की आपूर्ति सुचारू रूप से बनी हुई है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि देश में हर दिन 58 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर्स की उपलब्धता को भी बढ़ा दिया गया है, जो अब करीब 70 फीसदी तक पहुंच गई है।

बारामती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फडणवीस के एक फोन के बाद ही यह फैसला लिया गया और प्रैस कॉन्फ्रेंस कर बारामती उपचुनाव से कांग्रेस का उम्मीदवार वापस लेने की घोषणा कर दी।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908